स्मार्ट सिटी की 15वीं बोर्ड बैठक में नई परियोजनाओं का प्रस्तुतीकरण

शहर को स्मार्ट बनाने में खर्च होंगे 152 करोड़, स्काई वॉक का प्रस्ताव

लखनऊ | मुख्य संवाददाता

स्मार्ट सिटी की 15वीं बोर्ड बैठक सोमवार को कमिश्नर की अध्यक्षता में हुई। इस दौरान स्काईवॉक, स्मार्ट स्कूल, एसटीपी, पंपिंग स्टेशन और वन सिटी, वन मैप नई परियोजनाएं प्रस्ताव में रखी गईं। प्रस्तुतीकरण भी दिया गया। नई परियोजनाओं पर 152 करोड़ खर्च होंगे। बैठक में कमिश्नर रंजन कुमार ने मौजूदा समय चल रही परियोजनाओं के बारे में चर्चा की।

इनमें स्मार्ट रोड, ब्रेल क्लासेज और अमीरुद्दौला पुस्तकालय के डिजिटलीकरण के कार्यों के बारे में जानकारी ली। पिछली बोर्ड बैठकों में इन प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई थी। बैठक में डीएम अभिषेक प्रकाश ने परियोजनाओं की कार्य प्रगति में देरी पर नाराजगी जताई। डीएम ने देरी पर कानूनी कार्रवाई कानिर्देश दिया। बैठक में नगर आयुक्त अजय कुमार द्विवेदी, एलडीए उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी मौजूद रहे।

42
करोड़ एसटीपी के निर्माण पर खर्च किए जाएंगे

जमीनों की जानकारी एक पोर्टल पर मिलेगी

स्काईवॉक परियोजना के लिए अभी सिर्फ प्रस्ताव तैयार किया गया है। वन सिटी वन मैप पहले एलडीए की बोर्ड बैठक में रखा गया था। यह अच्छी परियोजना है इसलिए कमिश्नर ने इसे स्मार्ट सिटी के तहत पूरे शहर में लागू करने का निर्णय लिया। अब स्मार्ट सिटी के तहत इस दिशा में कार्य शुरू किया जाएगा। इससे शहर की जमीनों के बारे में पूरी जानकारी एक पोर्टल पर रहेगी। आम आदमी भी उसे देख सकेगा।

नई परियोजनाओं को समय से पूरा करने का लक्ष्य

स्मार्ट सिटी के तहत नई परियोजनाओं पर कुल 152 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इसमें एसटीपी निर्माण पर 42 करोड़, वन सिटी वन मैप पर 15 करोड़, स्मार्ट स्कूल पर 10 करोड़ रुपए शामिल हैं। परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही यह भी देखा जा रहा है कि जो खर्च आ रहा है वह आय के साधनों से वापस भी मिले। इसी आधार पर सभी परियोजनाओं को आगे बढ़ाने का निर्देश दिया गया है। अभी पांच परियोजनाएं ऐसी हैं जो शुरू नहीं की गई हैं।